www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–09 सितम्बर –2024

इस अंक में...

- रैगिंग मुक्त परिसर P. 2
- विश्व स्तनपान जागरूकता कार्यक्रम P. 3
- भूजल विकास एवं प्रबंधन P. 4
- कृषि यंत्रीकरण किसान मेला P. 5
- प्रौद्योगिकी विकसित P. 5
- वन महोत्सव P.5
- विशेष उपलब्धियाँ P.6
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन P. 7
- सेवानिवृति समारोह P. 8

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

विश्वविद्यालय परिवार के प्रिय साथियों, विद्यार्थियों और हितधारकों, मुझे सितंबर 2024 माह के ई-न्यूजलेटर प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है, जिसमें पिछले महीने में हमारे विश्वविद्यालय की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

विश्वविद्यालय में भारत रत्न डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन के जन्मदिवस को बड़े ही गर्व और उत्साह के साथ मनाया गया। डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन एक सबसे सम्मानित वैश्विक वैज्ञानिक और भारतीय कृषि में हरित क्रांति के प्रणेता थे। उन्होंने उर्वरक अनुक्रिया देने वाली गेहूं और चावल की बौनी किस्मों का आविष्कार करके हमारे देश को खाद्य निर्यातक देश बनाया और कृषि अनुसंधान सेवाएं (एआरएस), राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस), न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और खाद्य सुरक्षा विधेयक के निर्माण एवं विकास के माध्यम से भारतीय कृषि के भविष्य को सुरक्षित किया। यह कार्यक्रम 7 अगस्त, 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के माननीय कुलाधिपति, डॉ. पी. एल. गौतम की अनुग्रहपूर्ण उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिन्होंने भारतीय कृषि में डॉ स्वामीनाथन सर के महान योगदान पर प्रकाश डाला और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से सबसे सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन द्वारा दिखाए गए मार्ग का अनुसरण करने का आवाहन किया।

हमें 8 अगस्त, 2024 को मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जी की मेज़बानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। माननीय ने मशरूम उत्पादन तकनीक, नवीन उत्पाद विकास और बिहार के किसानों के बीच में हमारे शोध, शिक्षा और प्रसार प्रयासों की सराहना किया। उनके शब्द कृषि नवाचारों को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करते हैं, जिससे न केवल बिहार के किसानों को बल्कि पूरे देश के किसानों को लाभ होगा।

15 अगस्त को हमने 78वें स्वतंत्रता दिवस को बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया, जिसमें हमारे छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर शिक्षा, अनुसंधान, प्रसार और प्रशासन से संबंधित गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम हमारे कृषि के विकास और भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक संकल्प को दर्शाता है।

हमने 18 अगस्त, 2024 को ढोली स्थित तिरहुत कृषि महाविद्यालय के 64वें स्थापना दिवस का भी स्मरणोत्सव मनाया तथा इसके 1960 से गौरवशाली इतिहास व कृषि शिक्षा में इसकी भूमिका का उत्सव मनाया। यह महाविद्यालय कृषि ज्ञान और शिक्षा का एक प्रकाश स्तंभ बना हुआ है, तथा फसल किस्मों और प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

पर्यावरण संरक्षण हमारे विश्वविद्यालय के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। दिनांक 21 एवं 30 अगस्त, 2024 को हमने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया, जिसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और बिहार सरकार के माननीय सहकारिता, पर्यावरण और वन मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने इसका नेतृत्व किया। ये प्रयास पर्यावरणीय संतुलन एवं संरक्षण की जिम्मेदारी के हमारे व्यापक मिशन में योगदान कर रहे हैं।

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, पटना स्थित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा के सहयोग से दिनांक 29-08-2024 को "भूजल विकास एवं प्रबंधन" पर एक दिवसीय टियर तीन (III) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भूजल संसाधनों के संरक्षण, जल संरक्षण प्रौद्योगिकियों के विकास और जलवायु अनुकूल फसल किस्मों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

इसके अतिरिक्त, एंटी-रैगिंग सप्ताह के दौरान हमारे विश्वविद्यालय में एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिससे सभी छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वागत योग्य वातावरण सुनिश्चित किया गया।

हमने प्रशिक्षण और आउटरीच के तहत अगस्त माह में 4,465 किसानों, ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षित किया। ज्ञान प्रसार और किसान जुड़ाव के प्रति हमारे विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को ऑनलाइन सलाहकार सेवाओं द्वारा और अधिक बल दिया गया।

आइये हम मिलकर ये शपथ लेते है कि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम कृषि शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार में उत्कृष्टता की ओर प्रयास जारी रखेंगे।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ **दिनांक 12 से 18 अगस्त, 2024 तक पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी में एंटी-रैगिंग सप्ताह का आयोजन किया गया।** इस अवसर पर छात्रों ने निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। डॉ. पंकज सिंह, सहायक प्राध्यापक ने रैगिंग के नकारात्मक पहलु पर प्रकाश डाला और बताया कि यह नए छात्रों की मानसिक स्थिति को कैसे प्रभावित कर सकता है। डॉ. आर.के. झा, अधिष्ठाता, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय ने रैगिंग मुक्त परिसर के महत्व तथा छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के बारे में बताया।

➢ **2021-2025 बैच के 7वें सेमेस्टर के** 37 बी.एफ.एस.सी.(स्नातक) छात्रों (23 छात्र और 14 छात्राए) के एक समूह ने डॉ. सुजीत कुमार नायक और डॉ. एच.एस. मोगलेकर द्वारा केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान (भा.कृ.अनु.प.-सीआईएफटी) के वेरावल अनुसंधान केंद्र में स्टूडेंट रेडी (READY) प्रोग्राम (एसआरपी 411) के तहत इन-प्लांट अटैचमेंट ट्रेनिंग में भाग लिया। यह इन-प्लांट अटैचमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम 21 अगस्त, 2024 से 20 सितंबर, 2024 तक आयोजित किया गया।

➢ **दिनांक 30 अगस्त, 2024 को आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय** ने सीबीएसएच व्याख्यान श्रृंखला में अपना 5वां व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें इंग्लैंड के ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय के जॉन इनेस सेंटर की प्रोफेसर डॉ. कैथी मार्टिन ने "स्वस्थ पौधे; स्वस्थ लोग - टमाटर में विटामिन और फाइटोन्यूट्रिएंट्स को मजबूत करना" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरेश चंद्रा ने किया और इसमें आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय , तिरहुत कृषि महाविद्यालय , पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय और स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों सहित लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

➢ **बी.टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी)** के 8वें सेमेस्टर के छात्रों ने 29 अगस्त, 2024 को विद्यापति सभागार, रा.प्र.के.कृ.कृ.वि. में माननीय कुलपति एवं विभिन्न इकाइयों के अधिष्ठाता और निदेशकों तथा क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय भूजल बोर्ड, पटना के समक्ष ईएलपी 1 और छात्र तैयार परियोजना-एफटीपीओ 403 के तहत उनके द्वारा विकसित 9 विभिन्न खाद्य उत्पादों का प्रदर्शन किया। विकसित उत्पादों में खजूर चॉकलेट, सत्तू चॉकलेट, नींबू जैम, केले का हलवा, मल्टीग्रेन स्नैक रोल, बाजरा बिस्कुट, बेकरी इत्यादि उत्पाद शामिल थे।

➢ **स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय** में परास्नातक (प्रसार शिक्षा) की छात्रा सुश्री साक्षी पुंडीर ने प्रतिष्ठित मैनेज इंटर्न शिप (2024-25) सफलतापूर्वक हासिल किया।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन** विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) के अवसर पर दिनांक 3 अगस्त 2024 को सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, समस्तीपुर, पूसा के प्रांगण में किया गया। डॉ. कुमारी सुनीता (सहायक प्राध्यापक) ने मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जिले के विभिन्न प्रखंडों से आयी 244 महिला स्कूली शिक्षिकाओं के समूह को स्तनपान एवं मानव दूध बैंकिंग के महत्व पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के प्राचार्य एवं संस्थान के व्याख्याता भी उपस्थित थे।

➢ **रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशन में बिहार पुलिस कर्मियों का प्रशिक्षण** रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में ड्रोनियर एविएशन आरपीटीओ पूसा ने दिनांक 07/08/2024 को रा.प्र.के.कृ.वि. के माननीय कुलाधिपति डॉ. पी.एल. गौतम की गरिमामयी उपस्थिति में बिहार पुलिस ड्रोन प्रशिक्षण प्रमाणपत्र दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। जुलाई 2024 में, कुल एक सौ बीस (120) पुलिस कर्मियों ने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय , डॉ. आर.के. राय, प्रबंध निदेशक, आरपीटीओ और कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने भाग लिया। माननीय कुलाधिपति ने कृषि और अन्य क्षेत्रों में ड्रोन तकनीक का प्रयोग करने में महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में गणमान्य अतिथि का भ्रमण** डॉ. कृष्ण कुमार ठाकुर, सहायक प्राध्यापक, संक्रामक रोग महामारी विज्ञान, प्रिंस एडवर्ड आइलैंड विश्वविद्यालय, कनाडा ने दिनांक 9 अगस्त, 2024 को मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली का भ्रमण किया और "जलवायु परिवर्तन और संक्रामक रोगों का जलीय कृषि और मत्स्य पालन की स्थिरता पर प्रभाव" विषय पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में मत्स्यकी महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

➢ **कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय ने भूजल विकास एवं प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया** 29 अगस्त, 2024 को केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB), मध्य-पूर्वी क्षेत्र, पटना ने कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सहयोग से 'भूजल विकास एवं प्रबंधन' पर टियर-3 प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. पी एस पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में केंद्रीय भूजल बोर्ड (CGWB), मध्य-पूर्वी क्षेत्र, पटना के क्षेत्रीय निदेशक, कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता और विश्वविद्यालय के अन्य अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों सहित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय के 130 से अधिक छात्रों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, और स्थायी भूजल प्रबंधन के बारे में सीखने के लिए अपने उत्साह का प्रदर्शन किया।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **डॉ. पी. पी. श्रीवास्तव,** अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने दिनांक 6 अगस्त, 2024 को भ.कृ.अनु.प.-सी.आई.एफ.ई., मुंबई में मत्स्य शिक्षा में एनईपी 2020 के कार्यान्वयन और छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अधिष्ठाता सम्मेलन में भाग लिया।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली ने वृक्षारोपण कार्यक्रम "एक पेड़ माँ के नाम" में भाग लिया,** जहाँ सभी संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने विभिन्न प्रकार के पौधों का प्रत्यारोपण किया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने आत्मा (ATMA),** मुजफ्फरपुर के सहयोग से मुशहरी में कृषि यंत्रीकरण किसान मेला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुब्रत कुमार सेन (आईएएस), डीएम मुजफ्फरपुर रहे । कार्यक्रम में 566 किसानों ने भाग लिया और कार्यक्रम के दौरान नवीनतम कृषि उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई।

➢ **प्रौद्योगिकी विकसित**

डॉ. सुनीता कुशवाहा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली को भा.कृ.अनु.प. अटारी-IV पटना के 9वें स्थापना दिवस पर 19 अगस्त 2024 को मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. आरके सामंत, डीडीजी प्रसार, भा.कृ.अनु.प., डॉ. यू.एस. गौतम तथा रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के माननीय कुलपति, डॉ पी. एस. पाण्डेय द्वारा "केला फाइबर के लिए अपशिष्ट से धन आधारित कृषि उद्यमिता मॉडल" के प्रमुख विकासकर्ता का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।

प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

➢ **केले के प्रसंस्करण एवं संरक्षण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली ने विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियांत्रिकी) द्वारा केले के प्रसंस्करण एवं संरक्षण विषय पर ग्रामीण युवाओं एवं ग्रामीण महिलाओं के लिए दिनांक 28.08.2024 से 01.09.2024 तक 5 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षुओं ने केले के चिप्स, केले का पाउडर, केक, कुकीज, केले का जैम, जेली एवं मिठाई बनाने का सिद्धांत एवं व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

➢ **पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी परिसर में दिनांक 06.08.2024 को "वन महोत्सव" मनाया गया।** डीएफओ मोतिहारी ने अधिष्ठाता, वैज्ञानिक एवं पिपराकोठी के छात्रों के साथ परिसर में वृक्षारोपण किया।

➢ **ककृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने उर्वरक डीलर के लिए 15वें बैच का आई.ऐन.एम. (INM) प्रशिक्षण** दिनांक 12-29.08.2024 तक केवीके परिसर में आयोजित किया। इस अवसर पर श्री गोपाल मीना (आईएएस), आयुक्त, तिरहुत प्रमंडल और प्रभारी, बीसा, पूसा उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के बाद मुख्य अतिथि श्री गोपाल मीना ने इनपुट डीलरों के साथ

बातचीत की। उन्होंने कृषि में बाजरे के महत्व, इसके पोषण मूल्यों, विपणन रणनीतियों में पारदर्शिता; संसाधनों का सही तरीके से उपयोग कैसे किया जाए, इस पर ध्यान केंद्रित किया और प्रभारी बीसा ने किसानों को जागरूक किया कि वर्तमान जलवायु परिदृश्य में सहायक नवीनतम तकनीकें किसानों की उपज में सुधार कर सकती हैं।

➢ **केले के रेशे निकालने और हस्तशिल्प पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली ने ग्रामीण युवाओं और ग्रामीण महिलाओं के लिए केले के रेशे निकालने और हस्तशिल्प विषय पर 15 दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका संचालन विषय वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) द्वारा किया गया। प्रशिक्षुओं ने केले के रेशे निकालना, केले के रेशे की रंगाई, केले के रेशे से हस्तनिर्मित कागज बनाना और चाय की पत्ती, भगवान गणेश जैसे हस्तशिल्प बनाना सीखा।

➢ **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की पहल "एक पेड़ माँ के नाम"** का आयोजन दिनांक 21.08.2024 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी में किया गया। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता, संकाय सदस्य, स्टाफ और छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और पूरे परिसर में पेड़ लगाए। साथ ही छात्रों के बीच ड्राइंग और निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

विशेष उपलब्धि

➢ **डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल (सहायक प्राध्यापक, कृषि प्रसार शिक्षा) ने** दिनांक 24-26 अगस्त, 2024 को कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखंड और कृषि और पर्यावरण प्रौद्योगिकी विकास सोसायटी (ए.ई.टी.डी.एस.), यू.एस. नगर, उत्तराखंड द्वारा संयुक्त रूप से नैनीताल, उत्तराखंड में आयोजित "विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और मानविकी में अत्याधुनिक समाधान" (सीएसएटीईएच-2024) पर 6वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " प्रसंग चार: जीवन विज्ञान, जैव चिकित्सा विज्ञान, फार्मास्युटिकल और जैव प्रौद्योगिकी पहलू" पर सत्र के सह-अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

➢ **डॉ. राजेश कुमार,** प्राध्यापक और प्रमुख, (पादप प्रजनन और आनुवंशिकी) और प्रमुख अन्वेषक, रेपसीड-सरसों, डॉ. विक्रम भारती, सह- प्राध्यापक (कृषि विज्ञान) और डॉ. कविता, सह- प्राध्यापक (प्लांट फिजियोलॉजी) ने दिनांक 20-22 अगस्त, 2024 को एएयू, खानापारा, गुवाहाटी में रेपसीड-सरसों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।

खेलकूद और अन्य गतिविधियाँ

➢ **दिनांक 21 अगस्त 2024 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा** में राष्ट्रव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत 'एक पेड़ मां के नाम' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों सहित लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में माननीय कुलपति डॉ पी.एस. पाण्डेय उपस्थित रहे। उन्होंने वृक्षारोपण कर प्रतिभागियों को वृक्षों के महत्व और पर्यावरण संरक्षण के बारे में बताया तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने का अभियान शुरू करने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने छात्रों को मां के नाम पर एक पेड़ लगाने और उसकी रक्षा करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के आयोजक छात्र कल्याण निदेशक डॉ रमण कुमार त्रिवेदी ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने के लिए मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का संदेश हर गांव में फैलाया जाना चाहिए और भविष्य में गांवों को गोद लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के आयोजक छात्र कल्याण निदेशक डॉ रमण कुमार त्रिवेदी ने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने के लिए मां के नाम पर एक पेड़ लगाने का संदेश हर गांव में फैलाया जाना चाहिए और भविष्य में गांवों को गोद लेकर कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।

➢ **दिनांक 26-08-2024 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, पिपराकोठी** के बालिका छात्रावास में श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाई गई तथा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

➢ **राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त, 2024) के अवसर पर दिनांक 28 अगस्त, 2024 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली और मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के बीच वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया।** मैच का उद्घाटन मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली और तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के अधिष्ठाता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली और तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के लड़कों के बीच खेल भावना के साथ एक दोस्ताना मैच खेला गया, जिसमें दोनों महाविद्यालय के खेल और क्रीड़ा प्रभारी, श्री आर. के. राम और डॉ. ए. के. पासवान की देखरेख में खेल भावना के साथ एक दोस्ताना मैच खेला गया।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

डॉ. पी. एल. गौतम

माननीय कुलाधिपति, राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने दिनांक 7 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर जी

माननीय राज्यपाल, बिहार ने
दिनांक 8 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

डॉ. प्रेम कुमार

माननीय सहकारिता, पर्यावरण और वन मंत्री, बिहार सरकार ने
दिनांक 30 अगस्त, 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

FAREWELL

➢ **दिनांक 31 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।**

1. **डॉ. मुकुल सिन्हा**
   सह प्राध्यापक, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
2. **श्री हरेंद्र कुमार सिंह,** वरीय तकीनीकी सहायक (टी-4),
   कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा
3. **श्री ओंकार नाथ झा**
   वरीय तकीनीकी सहायक (टी-4), केवीके, नरकटियागंज
4. **श्री हरि कांत सिंह, कुशल सहायक कर्मचारी**
   कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्यौगिकी महाविद्यालय, पूसा
5. **श्री शंकर झा**
   कुशल सहायक कर्मचारी, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
6. **श्री अरुण कुमार राय**
   टी-1, सी.सी.सी. स्कीम, पूसा

संपादक - मंडल

संरक्षक :
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक :
डॉ. उमाकांत बेहेरा

संकलन एवं संपादन :
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
डॉ. कुमार राज्यवर्धन
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहयोग :
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक :
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in